PRGI : APHIN/26/A3657

पेन पॉवर

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 1 अंक - 9 रविवार, जुलाई 12, 2026 विशाखापट्टनम संपादकः गंट्यादा अप्पाराव पृष्ठों. 4 मूल्य. 1रु

वियतनाम नाव हादसा: 15 भारतीय पर्यटकों की मौत

वियतनामः वियतनाम के फु क्वोक द्वीप के निकट शनिवार को पर्यटकों से भरी एक नाव पलट जाने से कम से कम 15 भारतीयों की मौत हो गई। मृतकों में 13 पुरुष और 2 महिलाएं शामिल हैं। हादसे के समय नाव में कुल 36 लोग सवार थे। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, नाव में 32 भारतीय पर्यटक, तीन चालक दल के सदस्य और एक परिचारक सवार थे। हादसे में 21 लोगों को बचाकर अस्पताल पहुंचाया गया, जिनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। यह दुर्घटना स्थानीय समयानुसार दोपहर 1 बजे (भारतीय समयानुसार सुबह 11:30 बजे) हुई। मृतकों में 10 तमिलनाडु, तीन आंध्र प्रदेश और दो केरल के निवासी बताए गए हैं। बताया गया है कि नाव होन मे रुट न्गोआई द्वीप से एन थोई बंदरगाह की ओर जा रही थी। खराब मौसम, ऊंची लहरों और तेज हवाओं के कारण नाव संतुलन खो बैठी और पलट गई, जिससे सभी यात्री और चालक दल के सदस्य समुद्र में गिर गए।

भारत के दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि घटना की सटीक जानकारी जुटाई जा रही है और स्थानीय प्रशासन द्वारा खोज एवं बचाव अभियान जारी है। भारतीय राजदूत और दूतावास के अधिकारी फु क्वोक द्वीप के लिए रवाना हो चुके हैं, जहां वे वियतनामी अधिकारियों के साथ समन्वय कर प्रभावित भारतीय नागरिकों को सहायता प्रदान करेंगे।

मोबाइल कंपनी स्ंअ प्दजमत. दंजपवदंस ने भी पुष्टि की कि उसके कुछ कर्मचारी और चौनल पार्टनर इस दुर्घटना से प्रभावित हुए हैं। कंपनी ने कहा कि वह भारत और वियतनाम में अधिकारियों तथा प्रभावित परिवारों के साथ लगातार संपर्क में है और हर संभव सहायता उपलब्ध करा रही है। सूत्रों के अनुसार, दक्षिण भारत से लावा के 110 वितरक और कर्मचारी सामूहिक यात्रा पर गए हुए थे। प्रधानमंत्री छंतमदकतं डवकप ने हादसे पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा, ''फु क्वोक, वियतनाम के निकट भारतीय नागरिकों से जुड़ी नाव दुर्घटना की दुखद खबर से अत्यंत व्यथित हूं। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। भारतीय दूतावास और वाणिज्य दूतावास हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं।''

लोकसभा में विपक्ष के नेता तैनस ळंदकीप ने केंद्र सरकार और विदेश मंत्रालय से वियतनामी अधिकारियों के साथ मिलकर राहत एवं बचाव कार्यों को तेज करने और प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने की अपील की।

आंध्र प्रदेश के मानव संसाधन विकास मंत्री छंतं स्वामी ने दुर्घटना को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों से जानकारी ली। उन्होंने नई दिल्ली स्थित आंध्र प्रदेश भवन और राज्य सरकार के अधिकारियों से संपर्क कर आंध्र प्रदेश के प्रभावित पर्यटकों के बारे में जानकारी मांगी तथा केंद्र सरकार के साथ समन्वय कर प्रभावित लोगों और उनके परिवारों को हरसंभव सहायता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रभावित पर्यटकों और उनके परिजनों की सहायता के लिए भारतीय मिशन ने दो नियंत्रण कक्ष स्थापित किए हैंकृएक हो ची मिन्ह सिटी स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास में और दूसरा हनोई स्थित भारतीय दूतावास में।

गोडुली पार्टी की साजिशों को नाकाम करें: मुख्यमंत्री चंद्रबाबू

(पेन पॉवर न्यूज):
अमरावती, 11 जुलाईः मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि सोशल मीडिया को दुष्प्रचार और घृणा की राजनीति का मंच बनाकर राज्य में अशांति फैलाने की कोशिश कर रही ''गोडुली पार्टी'' की साजिशों को टीडीपी और गठबंधन दलों के कार्यकर्ताओं को हर समय विफल करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने टीडीपी केंद्रीय कार्यालय में पार्टी के प्रमुख नेताओं के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक की। इस दौरान नेताओं ने उन्हें बताया कि गोडुली पार्टी सोशल मीडिया के जरिए झूठा प्रचार करवा रही है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि देश, हिंदू धर्म और महिलाओं का अपमान एवं धोखाधड़ी करने के आरोपों में गिरफ्तार यूट्यूबर बच्चलकूरी जोसेफ (रावण) को उक्त पार्टी का समर्थन मिला है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गोडुली पार्टी द्वारा फैलाए जा रहे दुष्प्रचार का मजबूती से जवाब दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि सोशल मीडिया के माध्यम से जनता के सामने सच्चाई रखी जाए तो उस पार्टी के नेताओं के झूठे प्रचार पर स्वतः ही रोक लग जाएगी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि वाईएसआरसीपी नेताओं की उकसाने वाली टिप्पणियों का उसी स्तर पर जवाब देने की आवश्यकता नहीं है। झूठे आरोपों का तथ्यों और सबूतों के साथ खंडन कर वास्तविक स्थिति जनता के सामने रखना ही पर्याप्त है। उन्होंने बताया कि सरकार राजस्व संबंधी समस्याओं के समाधान पर विशेष ध्यान दे रही है। पार्टी कार्यकर्ताओं से 'इरिगेशन कैलेंडर' के क्रियान्वयन, यूरिया आपूर्ति के लिए विशेष ऐप, 'अन्नदाता सुखीभव' निधियों के वितरण तथा 'तल्लीकी वंदनम' योजना के तहत धनराशि जारी करने जैसे कार्यक्रमों को जनता तक पहुंचाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार राज्य के सभी क्षेत्रों के संतुलित विकास और सभी को समान अवसर उपलब्ध कराने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से इन बातों को भी जनता तक पहुंचाने को कहा। स्थानीय निकाय चुनावों को ध्यान में रखते हुए उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने की सलाह दी।

विकास के लिए जनसंख्या महत्वपूर्ण: मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू

(पेन पॉवर न्यूज):
अमरावती, 11 जुलाईः आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि राज्य में जनकल्याण और विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए जनसंख्या एक महत्वपूर्ण संसाधन है। उन्होंने बताया कि लोगों के स्वास्थ्य संरक्षण के लिए सरकार 'संजीवनी' कार्यक्रम शुरू कर रही है।

विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर शनिवार को विजयवाड़ा में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों को पौष्टिक आहार और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि कार्यस्थलों पर महिलाओं की सुविधा के लिए विशेष चाइल्ड केयर सेंटर स्थापित करने की दिशा में भी कदम उठाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में जनसंख्या नियंत्रण से अधिक जनसंख्या संरक्षण की आवश्यकता है। इसी उद्देश्य से सरकार ने 'बच्चे ही संपत्ति हैं' नामक नए कार्यक्रम की शुरुआत की है।

उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि कडप्पा जिले में जनसंख्या वृद्धि दर अधिक है, जबकि विकसित शहर विशाखापट्टनम में यह सबसे कम है। साथ ही राज्य में वृद्ध जनसंख्या लगातार बढ़ रही है। चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि आर्थिक असमानताओं को कम कर सभी नागरिकों को बेहतर जीवन स्तर उपलब्ध कराना सरकार का प्रमुख लक्ष्य है। उन्होंने यह भी कहा कि सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग के कारण युवा अपना बहुमूल्य समय व्यर्थ कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि जनता के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए ''संजीवनी'' कार्यक्रम लागू किया जाएगा। इसके अलावा वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए जल्द ही ''क्षेमम'' नामक विशेष कार्यक्रम भी शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्ष ''2047 तक आंध्र प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय 55 लाख रुपये'' तक पहुंचाना उनका संकल्प है और सरकार इसी दिशा में कार्य कर रही है।

तीन कंपनियों को विशेष प्रोत्साहन, आंध्र प्रदेश सरकार ने घोषित की हजारों करोड़ की रियायतें

अमरावती, 11 जुलाईः आंध्र प्रदेश सरकार ने राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में स्थापित होने वाली तीन कंपनियों को विशेष प्रोत्साहन और रियायतें देने की घोषणा की है। इस संबंध में संबंधित विभागों के प्रमुखों ने आदेश जारी किए हैं। तिरुपति जिले के श्रीसिटी में मोंडेलेज इंडिया फूड्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित चॉकलेट उत्पादन इकाई के विस्तार के लिए सरकार ने विशेष प्रोत्साहन स्वीकृत किए हैं। कंपनी 1,801 करोड़ रुपये के निवेश से अपनी इकाई का विस्तार करेगी और 80 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार प्रदान करेगी। एपी फूड प्रोसेसिंग पॉलिसी (4.0) के तहत इस परियोजना को विभिन्न मदों में कुल 1,111.81 करोड़ रुपये की रियायत और प्रतिपूर्ति (रीइम्बर्समेंट) प्रदान की जाएगी।चित्तूर जिले के कुप्पम में अवेरॉन पैनल्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 1,137.58 करोड़ रुपये के निवेश से दो चरणों में ग्रीनफील्ड इंटीग्रेटेड वुड पैनल्स निर्माण परियोजना स्थापित की जा रही है। इसके लिए सरकार पहले ही गुडुपल्ले और शांतिपुरम मंडलों में 106 एकड़ भूमि आवंटित कर चुकी है।

पवन कल्याण की सर्जरी सफल

(पेन पॉवर न्यूज):
अमरावती, 11 जुलाईः आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री चूंद ज्ञंसलंद की मुंबई के एक प्रमुख अस्पताल में हुई सर्जरी सफल रही। हाल ही में कराई गई चिकित्सकीय जांच के दौरान उनके दोनों कंधों में रोटेटर कफ की गंभीर चोटें पाई गई थीं। मांसपेशियां पूरी तरह फट जाने के कारण डॉक्टरों ने जल्द से जल्द ऑपरेशन कराने की सलाह दी थी।

इसी के तहत प्रसिद्ध ऑर्थोपेडिक सर्जन और स्पोर्ट्स मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. दिन्शा पार्थीवाला के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम ने शनिवार सुबह उनकी सर्जरी की। डॉक्टरों ने बताया कि दोनों कंधों का एक साथ ऑपरेशन करने पर दर्द की तीव्रता अधिक हो सकती थी, इसलिए फिलहाल केवल दाएं कंधे की सर्जरी की गई। रोटेटर कफ की चोट के साथ कंधे में एवुल्शन फ्रैक्चर भी होने के कारण सर्जरी लगभग साढ़े तीन घंटे तक चली। डॉक्टरों ने सलाह दी है कि करीब दो महीने बाद दूसरे कंधे की भी सर्जरी करनी होगी। बताया गया कि पवन कल्याण के कंधे में पहली बार वर्ष 2016 में चोट लगी थी। प्राथमिक उपचार और पर्याप्त विश्राम की सलाह के बावजूद वे लगातार सार्वजनिक कार्यक्रमों और बैठकों में भाग लेते रहे। 2019 के चुनावों के बाद रायलसीमा दौरे तथा 'वाराही यात्रा' के दौरान समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ लगातार संपर्क और अभिवादन के कारण पुरानी चोटें फिर उभर आईं।

अप्रैल 2026 में नाक की सर्जरी के दौरान कराई गई विस्तृत चिकित्सा जांच में डॉक्टरों ने उनके दोनों कंधों में रोटेटर कफ की गंभीर चोट और मांसपेशियों के फटने की स्थिति का पता लगाया था।

पवन जल्द स्वस्थ हों: मुख्यमंत्री, लोकेश और स्पीकर

मुख्यमंत्री छ. बेंदकतंइंइन छंपकन, मंत्री छंतं स्वामी तथा आंध्र प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष Chintakayala Ayyanna Patrudu ने पवन कल्याण के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर उनकी सफल सर्जरी पर खुशी व्यक्त की और उनके पूर्ण स्वास्थ्य लाभ तथा बेहतर स्वास्थ्य की प्रार्थना की। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि पवन कल्याण जल्द स्वस्थ होकर दोगुने उत्साह के साथ जनता के बीच लौटें और लोगों की सेवा जारी रखें।

इस बीच मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू रविवार को मुंबई जाएंगे। वे कोकिलाबेन अस्पताल में उपचार के बाद स्वास्थ्य लाभ कर रहे पवन कल्याण से मुलाकात करेंगे। मुख्यमंत्री दोपहर 12 बजे गन्नवरम हवाई अड्डे से मुंबई रवाना होंगे और मुलाकात के बाद शाम तक अमरावती लौट आएंगे।

वाईएसआरसीपी हिंदू विरोधी पार्टी बन गई हैः पीवीएन माधव

(पेन पॉवर न्यूज):
विजयवाड़ा, 11 जुलाईः भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आंध्र प्रदेश अध्यक्ष ''पी. वी. एन. माधव'' ने आरोप लगाया कि देश में कुछ विघटनकारी शक्तियां सनातन धर्म और राष्ट्र की अस्मिता पर हमला करने का प्रयास कर रही हैं। विजयवाड़ा में भाजपा लीगल सेल के तत्वावधान में आयोजित ''जनता वारधि दृ निःशुल्क कानूनी सहायता'' कार्यशाला में उन्होंने यह टिप्पणी की। इस अवसर पर 146 वकीलों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। पीवीएन माधव ने कहा कि राज्य में जातियों के बीच वैमनस्य फैलाने के लिए एक बड़ी साजिश रची जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्मादी गतिविधियों के आरोप में गिरफ्तार किए गए यूट्यूबर ''बच्चलकूरी जोसेफ उर्फ 'रावण''' का समर्थन ''सीपीआई'' और ''वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी)'' के नेता कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कुछ लोग बुद्धिजीवी होने का दावा करते हुए यूट्यूब चौनलों के माध्यम से समाज में नफरत और विभाजन फैलाने का काम कर रहे हैं। माधव ने यह भी कहा कि पूर्व आईपीएस अधिकारी ''ए. बी. वेंकटेश्वर राव'' द्वारा भी इस गिरफ्तारी की आलोचना किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने बताया कि आम लोगों को कानूनी सहायता उपलब्ध कराने के लिए भाजपा राज्य के सभी जिला कार्यालयों में प्रत्येक शुक्रवार को '''निःशुल्क कानूनी सलाह केंद्र''' स्थापित करेगी। माधव ने आरोप लगाया कि वाईएसआरसीपी का रवैया हिंदू विरोधी बनता जा रहा है और समाज में विभाजन पैदा करने वाली ताकतों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

पश्चिम बंगाल में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) मसौदा विधेयक की समीक्षा के लिए उच्चस्तरीय समिति गठित

कोलकाताः पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य के लिए प्रस्तावित समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के मसौदा विधेयक की समीक्षा हेतु एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है। शुक्रवार को जारी सरकारी अधिसूचना के अनुसार, पूर्व सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीश न्यायमूर्ति रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में गठित यह समिति प्रस्तावित कानून के व्यापक प्रभाव और विस्तृत स्वरूप को ध्यान में रखते हुए इसका गहन अध्ययन करेगी। राज्य सरकार ने कहा कि यह मसौदा विधेयक राज्य के सभी निवासियों के लिए, धर्म, आस्था या समुदाय से परे, व्यक्तिगत नागरिक मामलों को नियंत्रित करने वाला एक व्यापक कानूनी ढांचा तैयार करने के उद्देश्य से बनाया गया है। प्रस्तावित विधेयक में विवाह, तलाक, बिना वसीयत उत्तराधिकार (इंटेस्टेट सक्सेशन) तथा वसीयत आधारित उत्तराधिकार (टेस्टामेंटरी सक्सेशन) जैसे विषयों को शामिल किया गया है। समिति की अध्यक्षता सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति रंजना प्रकाश देसाई करेंगी। अन्य सदस्यों में पूर्व मेघालय राज्यपाल ताथागत रॉय, रेजिडेंट कमिश्नर दुश्यंत नारियाला, सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी शत्रुघ्न सिंह, गृह एवं पर्वतीय मामलों की विभागीय प्रधान सचिव संगमित्रा घोष, शिक्षाविद् डॉ. रत्ना भट्टाचार्य, गौर बंगा विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति गोपालचंद्र मिश्रा, अधिवक्ता उस्मान गनी मलिक तथा पूर्व कार्यकारी निदेशक निर्मल्य भट्टाचार्य शामिल हैं।

यह समिति 2 जुलाई को हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए निर्णय के आधार पर गठित की गई है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि समिति मसौदा विधेयक का विस्तृत अध्ययन कर अपनी सिफारिशें सरकार को सौंपेगी, जिसके बाद आगे का निर्णय लिया जाएगा। अधिसूचना में कहा गया है कि यह पहल भारतीय संविधान के अनुच्छेद 44 को ध्यान में रखते हुए की गई है, जो राज्य को नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता सुनिश्चित करने का प्रयास करने का निर्देश देता है।

वर्ष 2014 के बाद से उत्तराखंड, गुजरात और असम यूसीसी को अपनाने वाले राज्यों में शामिल हो चुके हैं। पश्चिम बंगाल के यूसीसी लागू करने की स्थिति में यह ऐसा करने वाला चौथा राज्य बन जाएगा। पश्चिम बंगाल यूसीसी विधेयक का उद्देश्य विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और दत्तक ग्रहण जैसे नागरिक मामलों में सभी समुदायों के लिए एक समान कानूनी व्यवस्था लागू करना है। बताया जा रहा है कि यह विधेयक कई प्रमुख प्रावधानों में उत्तराखंड और असम के यूसीसी मॉडल से मिलता–जुलता है।

यूसीसी वर्ष 2026 के विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रमुख चुनावी वादों में से एक था। चुनाव में भाजपा ने जीत हासिल कर राज्य में तृणमूल कांग्रेस के 15 वर्षों के शासन का अंत किया था।

संपादकीय

तुर्की में मुगलों के सम्मान पर भारत में मचा बवाल

16 साम्राज्यों की सूची में हूण, गोकतुर्क, खजर, उइगर, गजनवी, महान सलजूक, ख्वारज्म, स्वर्ण गिरोह, तैमूरी, मुगल और उस्मानी साम्राज्य शामिल हैं। समारोह में बाबर द्वारा स्थापित मुगल साम्राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले सैनिक को भी विशेष स्थान दिया गया। अंकारा में आयोजित नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान तुर्की ने केवल वैश्विक कूटनीति का मंच ही नहीं सजाया, बल्कि इतिहास, संस्कृति और प्रतीकों के जरिये अपनी वैचारिक पहचान का भी जोरदार प्रदर्शन किया। राष्ट्रपति रेचेप तैयप एरदोगान ने दुनिया के शीर्ष नेताओं के स्वागत के लिए जिस भव्य राजकीय समारोह का आयोजन किया, उसका सबसे चर्चित और विवादास्पद पक्ष रहा तुर्की के कथित सोलह महान तुर्क साम्राज्यों का प्रदर्शन। इन्हीं सोलह साम्राज्यों में भारत के मुगल साम्राज्य को भी शामिल किया गया और बाबर की सेना का प्रतिनिधित्व करने वाला एक सैनिक विशेष पोशाक में समारोह का हिस्सा बनाया गया। इस कदम ने केवल इतिहासकारों के बीच ही नहीं, बल्कि भारत में भी एक नई बहस छेड़ दी है कि क्या तुर्की ने भारत के इतिहास पर अपना दावा जताने की कोशिश की है। हम आपको बता दें कि तुर्की के राष्ट्रपति भवन में आयोजित स्वागत समारोह में आधुनिक सैन्य टुकड़ियों, उस्मानी काल के मेहतर सैन्य वाद्य दल और ऐतिहासिक वेशभूषा में सजे सोलह सैनिकों को एक साथ प्रस्तुत किया गया। यह परंपरा वर्ष 2015 में एरदोगान ने शुरू की थी और तब से हर बड़े राजकीय स्वागत का स्थायी हिस्सा बन चुकी है। इन सोलह सैनिकों को तुर्की के राष्ट्रपति चिह्न पर बने सोलह सितारों का प्रतीक माना जाता है। तुर्की का दावा है कि ये सितारे उन सोलह ऐतिहासिक तुर्क साम्राज्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिन्होंने तुर्क सभ्यता की निरंतरता को आगे बढ़ाया। इन्हीं 16 साम्राज्यों की सूची में हूण, गोकतुर्क, खजर, उइगर, गजनवी, महान सलजूक, ख्वारज्म, स्वर्ण गिरोह, तैमूरी, मुगल और उस्मानी साम्राज्य शामिल हैं। समारोह में बाबर द्वारा स्थापित मुगल साम्राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले सैनिक को भी विशेष स्थान दिया गया। हम आपको बता दें कि तुर्की के इतिहास लेखन में मुगल साम्राज्य को बाबर साम्राज्य कहा जाता है। वहां यह पढ़ाया जाता है कि बाबर तैमूर का प्रत्यक्ष वंशज था, उसकी मातृभाषा चगताई तुर्की थी और इसलिए मुगल साम्राज्य तुर्क इतिहास की निरंतर कड़ी है। इतिहास का यह पक्ष अपनी जगह है कि बाबर मध्य एशिया से आया था और उसकी सांस्कृतिक जड़ें तुर्क परंपरा से जुड़ी थीं। यह भी निर्विवाद है कि मुगल शासन के विभिन्न दौर में अनेक मंदिरों को ध्वस्त किया गया और भारतीय धार्मिक तथा सांस्कृतिक परंपराओं पर प्रहार हुए, जिनकी स्मृति आज भी इतिहास और जनचेतना का हिस्सा है। लेकिन इसके साथ ही यह भी एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक तथ्य है कि भारत में स्थापित होने के बाद मुगल साम्राज्य ने यहां की अनेक परंपराओं, प्रशासनिक व्यवस्थाओं, कला, स्थापत्य, भाषा और जीवन शैली को भी अलग अलग स्तरों पर आत्मसात किया। अकबर से लेकर शाहजहां तक मुगल शासन भारतीय उपमहाद्वीप की राजनीतिक और सांस्कृतिक संरचना का अभिन्न हिस्सा बन गया था। इसके अलावा, एरदोगान का पूरा आयोजन केवल सैन्य प्रतीकों तक सीमित नहीं था। उन्होंने इस अवसर को तुर्की की सांस्कृतिक शक्ति के प्रदर्शन में भी बदल दिया। दुनिया भर से आए राष्ट्राध्यक्षों, उनकी पत्नियों और लगभग ढाई हजार अंतरराष्ट्रीय पत्रकारों के लिए तुर्की के विभिन्न क्षेत्रों के पारंपरिक व्यंजनों की विशेष व्यवस्था की गई थी। राष्ट्रपति भवन में परोसे गए भोजन में देश के अलग अलग प्रांतों के प्रसिद्ध पकवान शामिल थे। अंतरराष्ट्रीय मीडिया केंद्र में भी तुर्की के व्यंजनों का विशाल संग्रह प्रस्तुत किया गया। तुर्की के संचार निदेशक ने इसे जन कूटनीति का प्रभावी माध्यम बताते हुए कहा कि कई बार एक साथ किया गया भोजन उन बातों को कह देता है जिन्हें दस्तावेजों के अनेक पन्ने भी व्यक्त नहीं कर पाते। तुर्की ने केवल भोजन ही नहीं, बल्कि अपनी कला, शिल्प, तकनीकी उपलब्धियों, मानवीय सहायता अभियानों और सांस्कृतिक विरासत की प्रदर्शनियां भी लगाईं। राष्ट्राध्यक्षों की पत्नियों के लिए अलग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। उस्मानी सैन्य संगीत, 21 तोपों की सलामी, तुर्की के वायु प्रदर्शन दल की उड़ान और ऐतिहासिक प्रतीकों के जरिये एरदोगान ने यह संदेश देने की कोशिश की कि आधुनिक तुर्की स्वयं को हजारों वर्षों की एक अखंड सभ्यता का उत्तराधिकारी मानता है। लेकिन भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या मुगल साम्राज्य को तुर्की की सभ्यतागत विरासत का हिस्सा बताना भारत के इतिहास में हस्तक्षेप है? वस्तुनिष्ठ दृष्टि से देखें तो तुर्की ने भारत के भूभाग या संप्रभुता पर कोई औपचारिक दावा नहीं किया है। उसने केवल अपने इतिहास लेखन और राष्ट्रीय प्रतीकों के अनुरूप मुगल साम्राज्य को तुर्क परंपरा की एक कड़ी के रूप में प्रस्तुत किया है। इसलिए इसे प्रत्यक्ष राजनीतिक हस्तक्षेप कहना उचित नहीं होगा। लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि जब किसी दूसरे देश के इतिहास का महत्वपूर्ण अध्याय किसी अन्य राष्ट्र की राष्ट्रीय पहचान का हिस्सा बनाकर विश्व मंच पर प्रस्तुत किया जाता है, तब वह स्वाभाविक रूप से संवेदनशील प्रश्न खड़े करता है। भारत और तुर्की के संबंध पहले ही कई मुद्दों पर तनावपूर्ण हैं। कश्मीर पर तुर्की का रुख, पाकिस्तान के साथ उसकी बढ़ती सामरिक निकटता, रक्षा सहयोग और अनेक अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत विरोधी बयान दोनों देशों के बीच विश्वास की कमी को और गहरा कर चुके हैं। ऐसे माहौल में यदि तुर्की मुगल साम्राज्य को गर्व के साथ अपनी ऐतिहासिक विरासत के रूप में प्रस्तुत करते हुए यह संदेश देना चाहता है कि भारत पर शासन और अत्याचार करने वाले उसके पूर्वज थे, तो उसे यह भी समझ लेना चाहिए कि यह प्रतीकात्मक राजनीति उसके लिए उलटी पड़ सकती है। भारत का इतिहास किसी विदेशी आक्रांता के गौरवगान का विषय नहीं है, बल्कि उन आक्रमणों का डटकर सामना करने वाले असंख्य भारतीय वीरों के संघर्ष और बलिदान की गाथा भी है। इसलिए इस तरह के ऐतिहासिक प्रतीकों का प्रदर्शन भारत में सकारात्मक संदेश देने की बजाय दोनों देशों के बीच पहले से मौजूद वैचारिक और कूटनीतिक दूरियों को और बढ़ा सकता है। भले ही केवल इस एक घटनाक्रम से कोई तत्काल कूटनीतिक संकट उत्पन्न होने की संभावना न हो, लेकिन यह निश्चित रूप से दोनों देशों के संबंधों में एक और असहज अध्याय जोड़ता है। वैसे इस पूरे घटनाक्रम के सामरिक और रणनीतिक निहितार्थ भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। एरदोगान लंबे समय से तुर्की को केवल एक क्षेत्रीय शक्ति नहीं, बल्कि व्यापक तुर्क सभ्यता के नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं। मध्य एशिया, काकेशस और इस्लामी दुनिया में प्रभाव बढ़ाने की उनकी नीति में इतिहास और सांस्कृतिक प्रतीकों का लगातार उपयोग किया जा रहा है। मुगल साम्राज्य को इस प्रतीकात्मक श्रृंखला में जोड़ना उसी व्यापक रणनीति का हिस्सा माना जा सकता है, जिसके जरिये तुर्की अपनी ऐतिहासिक पहुंच को वर्तमान कूटनीति की शक्ति में बदलना चाहता है।

राजस्व सुधारों की नई इबारत लिखता छत्तीसगढ़

0-99.95 प्रतिशत ऑटो म्यूटेशन सफलता दर ने रचा रिकॉर्ड, ऑटो डायवर्सन में 83.71 प्रतिशत प्रकरणों का हुआ निराकरण 0-कोरिया बना नंबर-1, धमतरी ने टॉप-5 में दर्ज कराई दमदार मौजूदगी; जिलों के प्रदर्शन ने दिखाई जवाबदेह प्रशासन की तस्वीर 0-एनजीडीआरएस इंटीग्रेशन, मल्टीपल खसरा और रिकवरी मॉड्यूल से राजस्व सेवाओं को मिलेगा नया डिजिटल ढांचा 0-आम नागरिक को दफ्तरों के चक्कर से राहत, पारदर्शिता और समयबद्ध निस्तारण के साथ सुशासन का मजबूत मॉडल बन रहा छत्तीसगढ़ सुशासन के नए डिजिटल युग में राजस्व प्रशासन अब फाइलों और लंबित प्रकरणों के पारंपरिक चक्रव्यूह से बाहर निकल चुका है। राज्य शासन के राजस्व, आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विभाग ने तकनीक को माध्यम बनाकर जमीन से जुड़ी सेवाओं का पूरी तरह कायाकल्प कर दिया है। ऑटो म्यूटेशन (स्वतः नामांतरण) और ऑटो डायवर्सन (स्वतः व्यवर्तन) जैसी जन-हितैषी व्यवस्थाओं ने विभाग को तेज, पारदर्शी और मानवीय हस्तक्षेप से मुक्त बनाया है। इससे आम नागरिकों को दफ्तरों के चक्कर, लंबे इंतजार और मानसिक व शारीरिक प्रताड़ना से स्थायी मुक्ति मिली है। पहले रजिस्ट्री के बाद नामांतरण के लिए अलग से आवेदन और भौतिक सत्यापन की थकाऊ प्रक्रिया से गुजरना पड़ता था, लेकिन छत्तीसगढ़ सरकार की मजबूत इच्छाशक्ति से अब यह स्वतः संपन्न हो रहा है। इसके साथ ही, भूमि उपयोग परिवर्तन (डायवर्सन) के लिए आवेदन, प्रीमियम निर्धारण और शुल्क गणना को भी आधुनिक तकनीक से त्रुटिहीन बनाया गया है। छत्तीसगढ़ का यह डिजिटल गवर्नेंस मॉडल आज देश के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण बनकर उभरा है। राजस्व विभाग द्वारा जारी प्रामाणिक आंकड़े इस ऐतिहासिक परिवर्तन की गवाही देते हैं। राज्य में अब तक कुल 1 लाख 40 हज़ार 607 पंजीकृत विलेखों में से रिकॉर्ड 1 लाख 40 हज़ार 536 मामलों का सफलतापूर्वक ऑटो म्यूटेशन किया जा चुका है। संपूर्ण प्रदेश में केवल 71 प्रकरण प्रक्रियाधीन हैं, जिससे विभाग ने 99.95 प्रतिशत की अभूतपूर्व सफलता दर हासिल की है। वहीं दूसरी ओर, ऑटो डायवर्सन व्यवस्था के तहत कुल 5 हजार 661 आवेदन दर्ज किए गए, जिनमें से 4 हज़ार 739 मामलों का त्वरित निराकरण किया गया। इस प्रकार 83.71 प्रतिशत प्रकरणों का निस्तारण कर यह साबित कर दिया गया कि जटिल तकनीकी प्रक्रियाओं को भी डिजिटल माध्यम से सुगम और पारदर्शी बनाया जा सकता है। राजस्व सेवाएँ सीधे नागरिक के जीवन, संपत्ति और निवेश से जुड़ी होती हैं; अतः इनमें गति आने से राज्य की आवासीय, वाणिज्यिक और औद्योगिक गतिविधियों को नई रफ्तार मिली है। ऑटो म्यूटेशन ने बदली नामांतरण की तस्वीर किसी भी संपत्ति की रजिस्ट्री के बाद भू-अभिलेखों में नाम दर्ज होना एक अनिवार्य प्रक्रिया है। पुराने दौर में पटवारियों और तहसील कार्यालयों के चक्कर काटना, दस्तावेजों की जांच में महीनों गंवाना और अनिश्चितता का सामना करना आम बात थी, जिसने भ्रष्टाचार को भी बढ़ावा दिया। आज छत्तीसगढ़ की तस्वीर बदल चुकी है। 1 लाख 40 हज़ार 607 पंजीकृत विलेखों में से 1 लाख 40 हज़ार 536 मामलों का स्वतः नामांतरण होना यह दर्शाता है कि अब नागरिक को अपने हक के लिए संघर्ष नहीं करना पड़ रहा है। इस व्यवस्था से समय और धन की भारी बचत हो रही है और रिकॉर्ड रीयल-टाइम अपडेट होने से जमीनी धोखाधड़ी पर लगाम लगी है। इस सफलता को बनाए रखने के लिए राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र द्वारा एक सख्त तकनीकी लॉक सिस्टम विकसित किया गया है। इसके तहत, यदि किसी संपत्ति का एक भी पुराना ऑटो म्यूटेशन लंबित है, तो संबंधित सब-रजिस्ट्रार कार्यालय में उस संपत्ति की अगली रजिस्ट्री तब तक नहीं हो पाएगी जब तक पिछला म्यूटेशन क्लियर न हो जाए। यह कदम निचले स्तर के प्रशासनिक अमले को जवाबदेह बनाता है। कृषि भूमि को आवासीय, वाणिज्यिक या औद्योगिक उपयोग में बदलना (डायवर्सन) शहरीकरण, निवेश और रोजगार सृजन की रीढ़ है। पहले आवेदकों को शुल्क, आवश्यक दस्तावेजों और समय सीमा की स्पष्ट जानकारी नहीं होती थी। फरवरी से जून 2026 के बीच 5 हजार 661 आवेदनों में से 4 हजार 739 का त्वरित निस्तारण यह दिखाता है कि विभाग ने गाइडलाइन दरों के आधार पर प्रीमियम निर्धारण जैसी पेचीदा प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित कर दिया है। वर्तमान में जो 922 लंबित मामले हैं, उनके पीछे अपूर्ण दस्तावेज, चालान राशि में तकनीकी अंतर या नगर तथा ग्राम निवेश के मास्टर प्लान से भिन्न प्रयोजन होना जैसे व्यावहारिक कारण हैं। इन चुनौतियों को सार्वजनिक करना विभाग की पारदर्शिता और विश्वसनीयता को दर्शाता है। ऑटो डायवर्सन के क्रियान्वयन में जिलों के बीच एक स्वस्थ और परिणाम-उन्मुख प्रतिस्पर्धा देखने को मिल रही है, जो यह प्रमाणित करती है कि सुधार जमीनी स्तर पर लागू हो चुके हैं। कोरिया जिला कुल 59 प्रकरणों में से सभी 59 का शत-प्रतिशत निराकरण कर 100 प्रतिशत सफलता दर के साथ पूरे राज्य में प्रथम स्थान पर रहा।कोरबा जिला 98.46 प्रतिशत की सफलता दर के साथ अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। इसी तरह मुंगेली जिला 94.16 प्रतिशत मामलों का निपटारा कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।बालोद जिला 93.72 प्रतिशत निस्तारण दर के साथ शीर्ष जिलों में शामिल रहा।धमतरी जिला कुल 165 प्रकरणों में से 153 का वैधानिक निराकरण कर 92.73 प्रतिशत सफलता दर के साथ राज्य में पाँचवाँ (शीर्ष-5) स्थान प्राप्त किया। धमतरी का यह प्रदर्शन नियमित समीक्षा और जवाबदेह कार्यशैली का परिणाम है। विभाग अपनी वर्तमान उपलब्धियों से आगे बढ़कर एक एकीकृत डिजिटल इकोसिस्टम के निर्माण में जुटा है। एनजीडीआरएस एपीआई इंटीग्रेशन इसके माध्यम से सरकारी गाइडलाइन दरें सीधे पोर्टल से प्राप्त हो रही हैं, जिससे प्रीमियम का निर्धारण मानवीय हस्तक्षेप के बिना पूरी तरह स्वचालित और पारदर्शी हो गया है। यदि पहले से डायवर्टेड भूमि का आंतरिक उपयोग बदलना हो (जैसे आवासीय से वाणिज्यिक), तो इस मॉड्यूल के तहत निस्तारण के लिए 15 दिवस की समय सीमा तय की गई है। एक से अधिक खसरों वाली भूमि के लिए अब एक ही आवेदन में अनेक खसरों का चयन, स्वतः शुल्क गणना और ई-चालान की सुविधा मिलेगी। इसके लिए समय सीमा जुलाई 2026 रखा गया है। पुराने लंबित मामलों के निपटारे के लिए पूर्व भुगतानों की प्रविष्टि, शेष प्रीमियम की गणना, भू-राजस्व/उपकर की मांग और एक उच्च स्तरीय रिकवरी डैशबोर्ड की व्यवस्था की जाएगी।

नक्सलवाद के बाद घुसपैठ पर निर्णायक प्रहार

नई दिल्ली में आयोजित सीमांत जिला पुलिस अधीक्षक सम्मेलन को संबोधित करते हुए अमित शाह ने सीमा सुरक्षा के लिए सरकार की नई और व्यापक रणनीति सामने रखी। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन सीमा सुरक्षा के समग्र दृष्टिकोण को संस्थागत स्वरूप देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। देश को नक्सल आतंक की जकड़ से बाहर निकालने और जम्मू-कश्मीर तथा पूर्वोत्तर में आतंकवाद पर निर्णायक प्रहार के बाद अब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय सुरक्षा के अगले चरण का बिगुल फूंक दिया है। इस बार निशाने पर केवल घुसपैठ नहीं, बल्कि घुसपैठ के जरिये सीमावर्ती इलाकों में बदलता जनसंख्या संतुलन, तस्करी, मादक पदार्थों का जाल, कट्टरपंथ, ड्रोन खतरे, संगठित अपराध और सीमा पार से संचालित छद्म युद्ध की पूरी रणनीति है। अमित शाह ने स्पष्ट संकेत दिया है कि देश को घुसपैठिया मुक्त बनाने और सीमाओं को अभेद्य सुरक्षा कवच देने का व्यापक अभियान अब सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। अमित शाह का मानना है कि सीमावर्ती क्षेत्रों में अस्वाभाविक जनसंख्या परिवर्तन केवल स्थानीय समस्या नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक स्थिरता और सामरिक संतुलन से जुड़ा हुआ प्रश्न है, ऐसे में यह अभियान वर्तमान के साथ-साथ भविष्य के भारत की सुरक्षा का भी मजबूत आधार बनेगा। हम आपको बता दें कि नई दिल्ली में आयोजित सीमांत जिला पुलिस अधीक्षक सम्मेलन को संबोधित करते हुए अमित शाह ने सीमा सुरक्षा के लिए सरकार की नई और व्यापक रणनीति सामने रखी। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन सीमा सुरक्षा के समग्र दृष्टिकोण को संस्थागत स्वरूप देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। अब केवल भूमि सीमाओं तक ही नहीं, बल्कि आने वाले समय में तटीय सीमाओं की सुरक्षा के लिए भी इसी प्रकार का समग्र और एकीकृत दृष्टिकोण अपनाया जाएगा। सम्मेलन में सीमा सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों, उनके समाधान और भविष्य की नीति तैयार करने पर व्यापक विचार विमर्श किया गया। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की सीमा सुरक्षा व्यवस्था अब केवल चौकियों और गश्त तक सीमित नहीं रहेगी। सरकार सीमा सुरक्षा बलों, राज्य सरकारों, जिला प्रशासन, केंद्र सरकार के संबंधित विभागों और सीमावर्ती क्षेत्रों के स्थानीय नागरिकों को साथ जोड़कर चार स्तरीय सुरक्षा तंत्र तैयार कर रही है। यही चतुष्कोणीय सुरक्षा व्यवस्था भविष्य में भारत की सीमाओं को अभेद्य बनाने का सबसे मजबूत आधार बनेगी। उन्होंने कहा कि सुरक्षित सीमा, समृद्ध सीमावर्ती क्षेत्र और सतर्क समाज मिलकर ही राष्ट्र की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं। एक्जिक्यूटिवब्रांच गृह मंत्री ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि भारत की लगभग पंद्रह हजार किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा अठारह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से होकर गुजरती है। इतनी विशाल सीमा की सुरक्षा केवल सुरक्षा बलों के भरोसे संभव नहीं है। इसके लिए स्थानीय समाज की भागीदारी, प्रशासनिक समन्वय और आधुनिक तकनीक का प्रभावी उपयोग अनिवार्य है। इसी सोच के तहत सरकार अलग थलग सीमा चौकियों की पुरानी व्यवस्था से आगे बढ़कर एकीकृत सुरक्षा तंत्र विकसित कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत की स्मार्ट सीमा की परिकल्पना आने वाले वर्षों में दुनिया की सबसे आधुनिक सीमा सुरक्षा व्यवस्था का रूप लेगी। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने नक्सलवाद, जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद और पूर्वोत्तर में हिंसा के खिलाफ उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। अब अगले तीन वर्षों में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार पर भी निर्णायक प्रहार किया जाएगा। साथ ही ऐसा मजबूत सुरक्षा ढांचा तैयार किया जा रहा है जिससे देश पूरी तरह घुसपैठ मुक्त बने और भविष्य में किसी भी प्रकार की अवैध घुसपैठ की संभावना लगभग समाप्त हो जाए। उन्होंने कहा कि पहले समस्याएं स्थायी होती थीं और समाधान अस्थायी, लेकिन अब सरकार समस्याओं की जड़ पर प्रहार कर स्थायी समाधान तैयार कर रही है। सरकारीएजेंसियां देखा जाये तो इस पूरी रणनीति का सबसे महत्वपूर्ण पहलू सीमावर्ती क्षेत्रों में बदलते जनसंख्या स्वरूप पर मोदी सरकार का विशेष ध्यान है। अमित शाह ने स्पष्ट कहा कि सीमावर्ती इलाकों में अस्वाभाविक जनसंख्या परिवर्तन का सबसे बड़ा कारण अवैध घुसपैठ है। इसी कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनसंख्या अध्ययन अभियान प्रारंभ किया है, जिसके तहत जनसंख्या में हो रहे अस्वाभाविक बदलावों का अध्ययन किया जाएगा, उनके कारणों की पहचान होगी और भविष्य में ऐसे परिवर्तनों को रोकने के उपाय सुझाए जाएंगे। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि अस्वाभाविक कारणों से होने वाली जनसंख्या वृद्धि पर कठोरता के साथ नियंत्रण किया जाएगा। गृह मंत्री ने निर्देश दिया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसंख्या परिवर्तन से जुड़ी हर महत्वपूर्ण सूचना सबसे निचले स्तर से लेकर शीर्ष स्तर तक तत्काल पहुंचनी चाहिए, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। सरकार सीमाओं को मजबूत बनाने के लिए आधारभूत ढांचे पर भी अभूतपूर्व निवेश कर रही है। अमित शाह ने बताया कि सीमा क्षेत्रों में आधारभूत संरचना पर निवेश में चार सौ प्रतिशत की वृद्धि की गई है और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ सड़कों, संचार व्यवस्था, निगरानी तंत्र तथा अन्य सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। भारत म्यांमार सीमा के सोलह सौ दस किलोमीटर लंबे हिस्से पर 31 हजार करोड़ रुपये की लागत से बाड़ लगाने का कार्य भी तेजी से चल रहा है। इसका उद्देश्य केवल घुसपैठ रोकना नहीं, बल्कि छद्म युद्ध, अवैध हथियारों की आवाजाही, मादक पदार्थों की तस्करी, संगठित अपराध और सीमा पार से संचालित अन्य गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाना है। साथ ही मोदी सरकार की सीमा सुरक्षा नीति केवल सैन्य दृष्टिकोण तक सीमित नहीं है। सीमावर्ती गांवों को मजबूत बनाना भी इसका महत्वपूर्ण हिस्सा है। वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के अंतिम गांव को पहला गांव बताया है। इस योजना के माध्यम से सीमावर्ती क्षेत्रों से पलायन रोकने, स्थानीय रोजगार बढ़ाने और सरकारी योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। मोदी सरकार का मानना है कि जब सीमा पर बसे गांव समृद्ध होंगे, वहां के लोग सुरक्षित और आत्मनिर्भर होंगे, तभी सीमा सुरक्षा भी स्थायी रूप से मजबूत होगी। सामरिक दृष्टि से देखें तो यह नई नीति भारत की सुरक्षा सोच में बड़ा परिवर्तन है। अब देश केवल किसी घटना के बाद प्रतिक्रिया देने की नीति पर नहीं रहेगा, बल्कि संभावित खतरों को पहले ही पहचानकर उन्हें रोकने की सक्रिय रणनीति अपनाई जाएगी। घुसपैठ, छद्म युद्ध, कट्टरपंथ, मादक पदार्थों की तस्करी, ड्रोन के जरिये हथियार पहुंचाना, साइबर अपराध और संगठित अपराध आज एक दूसरे से जुड़ी चुनौतियां बन चुकी हैं। ऐसे में इन सभी के खिलाफ एकीकृत सुरक्षा तंत्र भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा को नई मजबूती देगा। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि सीमाओं पर प्रभावी नियंत्रण, जनसंख्या संतुलन की निगरानी, आधुनिक तकनीक आधारित सुरक्षा व्यवस्था और सीमावर्ती गांवों का विकास एक साथ सफलतापूर्वक आगे बढ़ता है तो भारत न केवल अपनी सीमाओं को अधिक सुरक्षित बना सकेगा, बल्कि भविष्य में किसी भी प्रकार की बाहरी चुनौती का अधिक प्रभावी ढंग से सामना करने की स्थिति में भी होगा।

आज का राशि फल

मेष राशि: आज का दिन जीवन में मील का पत्थर साबित होगा। वकीलों के लिये आज का दिन अच्छा रहेगा, नया केस हाथ लगेगा। आज खास लोगों के बीच किसी नई गतिविधि को लेकर गंभीर चर्चा होगी, जो कि सकारात्मक रहेगी। आज किसी मामले को लेकर विचारों में भावुकता रहेगी। आज कुछ लोग जलन की भावना से आपकी आलोचना कर सकते हैं।

वृष राशि: आज आपका दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपको किसी भी प्रकार के विवादों से दूर रहने की आवश्यकता है। आज व्यवसायिक काम समय पर बनते जाएंगे। विदेश संबंधी व्यवसाय में परिस्थितियां आपके अनुकूल होने के आसार हैं। आज ऑफिस में सहयोगियों की कार्यकुशलता से टारगेट समय पर पूरा हो जाएगा।

मिथुन राशि: आज आपके हर परेशानी का हल चुटकियों में निकल जायेगा। आज आप लेखन कार्यों में रुचि लेंगे आपका लेखन और अच्छा होगा। आज आपकी बातें दूसरों पर प्रभाव डालेगी। आज रोजमर्रा के कामों से हटकर कुछ नया सीखने में समय बीतेगा। प्रॉपर्टी या वाहन की खरीददारी में लाभ की बेहतर स्थिति बनेगी। आध्यात्म और धार्मिक गतिविधियों में आपका रुझान बढ़ेगा।

कर्क राशि: आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। किसी नयी बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। थोड़ी सी बात पर परेशान होने के बजाय उसका हल ढूंढने की कोशिश करेंगे तो आपको सलूशन मिल जायेगा। आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए दिन अच्छा है।

सिंह राशि: आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज व्यवसाय में अतिरिक्त आय का साधन बनने वाला है। अगर आपका साझेदारी में बिजनेस करने का प्लान है तो ये डील आपके लिए फायदेमंद होगी। अधिकतर समय मार्केटिंग और बाहर की गतिविधियों में बीतेगा। इस राशि के सरकारी नौकरी कर रहे लोग अपने कार्यभार से संतुष्ट रहेंगे। आपको घर के बड़ो से कुछ प्रेरणा मिलेगी। आज आप जो भी काम शुरू करेंगे, वो सफल होगा।

कन्या राशि: आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज ध्यान रखें कि अगर प्रयासरत कार्यों में समस्या आती है तो इसकी वजह आपकी एकाग्रता में कमी होगी। आज सम्मानित और प्रभावशाली लोगों के संपर्क में आने से आपको कई नए विषयों की जानकारी मिलेगी। आज घर के लिए इलेक्ट्रॉनिक वस्तु की खरीदारी संभव है। लोग आपके व्यवहार से खुश रहेंगे।

तुला **राशि:** आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। आज किसी समस्या को हल करने में आपका सहयोग सकारात्मक रहेगा। आस-पड़ोस की सामाजिक गतिविधियों में आपका वर्चस्व रहेगा। प्रॉपर्टी से संबंधित काम हल होगा। आज नकारात्मक लोगों से दूर रहेंगे और आलस की स्थिति से बचेंगे तो आपका काम समय से पूरा हो जायेगा।

वृश्चिक राशि: आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज कार्यों को सुचारु रूप से करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी होगी। हालांकि सही समय पर उचित निर्णय लेने से आपकी काफी समस्याएं हल हो जाएंगी। इस समय नया कार्य शुरू न करें, आज के कामों को ही व्यवस्थित करने पर ध्यान देंगे। ऑफिस में आपका प्रभुत्व बना रहेगा। नवविवाहित दंपत्ति के बीच आज मीठी नोक-झोक होगी, इससे रिश्तों में और मिठास आयेगी। स्वास्थ्य के लिहाज से आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

धनु राशि: आज पूरे दिन भाग्य आपके साथ रहेगा। आज जल्दबाजी में फैसला न लें, न ही दूसरों के मामले में हस्तक्षेप करें। आज किसी अनजान व्यक्ति के सहयोग से आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज आप अपने खर्चों पर नियंत्रण बनाने की योजना बनायेंगे। साथ ही आय बढ़ाने के लिए नया प्लान बनायेंगे। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने का मन बनायेंगे। कला जगत से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

मकर राशि: आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। छात्रों को आज बहुत अधिक मेहनत करने की जरूरत है। आज आप लेनदेन को स्थगित रखेंगे तो आने वाली किसी समस्या से बच जायेंगे। इस राशि के लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे, जिससे उनके अंदर आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज आपकी ऑफिशियल यात्रा संभव है।

कुंभ राशि: आज का दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आपका दिन खुशनुमा बीतेगा। घर पर ही परिवारवालों के साथ धार्मिक कार्यों का आयोजन करेंगें। आज आपकी तरक्की के कई रास्ते खुलेंगे। ऑफिस के काम को थोड़ा संभलकर करने की जरूरत है, आपके काम की शिकायत कर सकता है। आज किसी से भी उलझने से आपको बचना चाहिए।

मीन राशि: आज आपको किसी अपने से अच्छी खबर मिलने के योग बने हुये है। आज व्यक्तिगत काम के समय आप घबराने की बजाय परिस्थितियों का समाधान ढूंढने का प्रयास करेंगे और इसमें आप सफल भी होंगे। परिवारिक सदस्य की किसी उपलब्धि से घर में उत्सव का माहौल रहेगा। मार्केटिंग की जॉब कर रहे लोगों से आज अच्छा क्लाइंट जुड़ेगा।

2027 गोदावरी पुष्कर की तैयारियों का मंत्रियों ने किया निरीक्षण

राजमहेंद्रवरम, 11 जुलाई: राज्य के नगर प्रशासन मंत्री डॉ. पोंगुरु नारायण और पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री कंदुला दुर्गेश ने 2027 गोदावरी पुष्कर की तैयारियों का राजमहेंद्रवरम में निरीक्षण किया। मंत्रियों ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर श्रद्धालुओं की सुरक्षा, स्थायी बुनियादी ढांचे और विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। सरकार ने शहर में आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए ध्585 करोड़ आवंटित किए हैं। साथ ही श्रद्धालुओं के लिए होम–स्टे और टेंट सिटी की व्यवस्था करने तथा छह जिलों में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना पर भी चर्चा की गई।

हर मतदाता 14 जुलाई तक अपना नाम मतदाता सूची में अवश्य जांचें

राम्पचोडावरम, 11 जुलाई: जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर के. दिनेश कुमार ने सभी मतदाताओं से विशेष गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान में भाग लेकर 14 जुलाई से पहले मतदाता सूची में अपना नाम और विवरण सत्यापित करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि बीएलओ घर–घर जाकर एन्यूमरेशन फॉर्म वितरित कर रहे हैं। जो मतदाता बीएलओ से नहीं मिल सकते, वे पर EPIC नंबर के माध्यम से ऑनलाइन सेल्फ–एन्यूमरेशन कर सकते हैं तथा "Book a Call to BLO" सुविधा का भी लाभ उठा सकते हैं।

एचपीवी वैक्सीन से ही सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम संभवः पुलिस आयुक्त डॉ. शंखब्रत बागची

पुलिस कर्मियों की 500 बेटियों को लगाया जाएगा सर्वावैक टीका

पेन पॉवर ब्यूरो

विशाखापट्टनम, 11 जुलाईः विशाखापट्टनम के पुलिस आयुक्त डॉ. शंखब्रत बागची ने कहा कि महिलाओं में ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) के कारण होने वाले सर्वाइकल कैंसर की प्रभावी रोकथाम एचपीवी (सर्वावैक) वैक्सीन के माध्यम से की जा सकती है। उन्होंने अभिभावकों से अपनी बेटियों को समय पर टीकाकरण कराने का आग्रह किया।

शनिवार को पुलिस बैरक्स स्थित टेम्पल ऑफ लर्निंग हॉल में आयोजित दो दिवसीय एचपीवी टीकाकरण शिविर का उद्घाटन पुलिस आयुक्त डॉ. बागची और चौतन्य स्रवंती संस्था की अध्यक्ष डॉ. शिरीन रहमान ने संयुक्त रूप से किया। यह शिविर नाटको ट्रस्ट, लायंस क्लब ऑफ विजाग चैरिटेबल ट्रस्ट तथा चौतन्य स्रवंती के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।

इस शिविर के दौरान 9 से 14 वर्ष आयु वर्ग की पुलिस कर्मियों की 500 बेटियों को सर्वावैक (ब्मतअंअब) एचपीवी वैक्सीन की खुराक दी जाएगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुलिस आयुक्त ने पुलिस परिवारों की बेटियों के स्वास्थ्य संरक्षण के लिए आगे आने वाले सभी सामाजिक संगठनों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पहली खुराक से किसी प्रकार की गंभीर समस्या सामने नहीं आई थी और बूस्टर डोज भी पूरी तरह सुरक्षित है। यदि टीकाकरण के बाद हल्का बुखार या अन्य सामान्य लक्षण दिखाई दें तो चिकित्सकों से संपर्क करने की सलाह दी।

उन्होंने कहा कि यह वैक्सीन भविष्य में सर्वाइकल कैंसर के खतरे को काफी हद तक कम करती है और सभी पात्र बालिकाओं को निर्धारित टीकाकरण अवश्य करवाना चाहिए।

चौतन्य स्रवंती की अध्यक्ष डॉ. शिरीन रहमान ने बताया कि 9 से 14 वर्ष की आयु वाली बालिकाओं को एचपीवी वैक्सीन की दो खुराक, जबकि इससे अधिक आयु की युवतियों को तीन खुराक दी जाती हैं। उन्होंने पुलिस आयुक्त से अक्टूबर माह में महिला पुलिस कर्मियों के लिए स्तन कैंसर (ब्रेस्ट कैंसर) जागरूकता शिविर आयोजित करने का भी अनुरोध किया।

उन्होंने कहा कि सर्वाइकल कैंसर और ब्रेस्ट कैंसर दोनों गंभीर बीमारियां हैं, इसलिए समय रहते जागरूकता और बचाव बेहद आवश्यक है।

इस अवसर पर डीसीपी पापाराव, अतिरिक्त डीसीपी (प्रशासन) रामचंद्र राव, लायंस क्लब के सचिव बी. रविचंद्र, डॉ. सत्यवेणी, चौतन्य स्रवंती के उपाध्यक्ष विजय शेखर, अविनीश, सीरम इंस्टीट्यूट के एरिया मैनेजर राम रतन सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में डॉ. शिरीन रहमान ने पुलिस आयुक्त डॉ. शंखब्रत बागची का सम्मान किया।

पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनाः केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह

पटनाः केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत को दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल करने के विजन का समर्थन करते हुए कहा कि आलोचनाओं के बावजूद देश ने कोविड–19 महामारी के दौर से लेकर अब तक अपनी आर्थिक विकास दर को बनाए रखा है।

पटना में पत्रकारों से बातचीत करते हुए सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनकर उभरा है।

उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ही एकमात्र ऐसा देश है जिसने महामारी के समय से लेकर अब तक अपनी आर्थिक वृद्धि को बनाए रखा है। नकारात्मक सोच रखने वाले लोगों की आलोचनाओं के बावजूद प्रधानमंत्री ने देश के विकास को निरंतर गति दी है, जिससे भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो गया है।''

गिरिराज सिंह की यह टिप्पणी प्रधानमंत्री मोदी द्वारा ऑस्ट्रेलिया में आयोजित ''मेलबर्न मीट्स मोदी'' कार्यक्रम में भारतीय समुदाय को संबोधित करने के एक दिन बाद आई। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने कहा था कि भारत का दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने का लक्ष्य ''ग्रो मोर, अचीव मोर'' (अधिक विकास, अधिक उपलब्धि) के मंत्र से प्रेरित है।

सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और हर उपलब्धि देश को और बड़े लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित करती है।

उन्होंने कहा, ''21वीं सदी का भारत विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर कार्य कर रहा है। जब एक सपना पूरा होता है तो दूसरा सपना जन्म लेता है। पहले कहा जाता था कि एक दीपक हजारों दीप जलाता है, लेकिन आज मैं कहता हूं कि एक सपना हजारों नए सपनों को जन्म देता है। जब एक लक्ष्य हासिल होता है तो उससे भी बड़ा संकल्प सामने आता है। यह नया भारत 'ग्रो मोर, अचीव मोर' में विश्वास रखता है। हम 140 करोड़ आकांक्षाओं वाला देश हैं।''

प्रधानमंत्री ने आगे कहा, ''हमारी आकांक्षा है कि भारत जल्द से जल्द दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो और यह लक्ष्य 'ग्रो मोर, अचीव मोर' के मंत्र से प्रेरित है।''

भारत की तकनीकी और बुनियादी ढांचा प्रगति का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा 5जी बाजार बन चुका है और स्वदेशी 6जी तकनीक के विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने बताया कि देश के दो दर्जन से अधिक शहरों में मेट्रो रेल सेवाओं का विस्तार हो चुका है, जिससे भारत का मेट्रो नेटवर्क दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा नेटवर्क बन गया है। साथ ही, नमो भारत रैपिड रेल और वंदे भारत ट्रेनों जैसी सेवाओं के माध्यम से सेमी–हाई–स्पीड रेल नेटवर्क का भी तेजी से विस्तार किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी 8 से 10 जुलाई तक ऑस्ट्रेलिया की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। इस दौरान भारत और ऑस्ट्रेलिया ने रक्षा, समुद्री सुरक्षा, ऊर्जा, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी, शिक्षा, खनन, अनुसंधान और सांस्कृतिक सहयोग सहित 18 महत्वपूर्ण समझौतों और पहलों की घोषणा की, जिससे भारत–ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूती मिली।

अमरनाथ यात्राः जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर कार दुर्घटना में पांच श्रद्धालु घायल

उधमपुरः अमरनाथ यात्रा पर जा रहे पांच श्रद्धालु जम्मू–श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर समरोली क्षेत्र के तोल्दी नल्लाह के पास सड़क दुर्घटना में घायल हो गए। शुक्रवार को भगवती नगर बेस कैंप, जम्मू से पहलगाम के लिए रवाना हुए श्रद्धालु एक एर्टिगा कार में यात्रा कर रहे थे, तभी वाहन अनियंत्रित होकर राष्ट्रीय राजमार्ग–44 की दीवार से टकरा गया।

सूचना मिलते ही केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 137वीं बटालियन, गोरखा 4/3, सिविल डिफेंस, ट्रैफिक पुलिस और स्थानीय पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।

घायलों को तत्काल उधमपुर स्थित सरकारी मेडिकल कॉलेज के संबद्ध अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। अधिकारियों के अनुसार, श्रद्धालु सीमा गुप्ता को दुर्घटना में गंभीर चोटें आई हैं। इस बीच, अमरनाथ यात्रा 2026 के दौरान सीआरपीएफ श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। राष्ट्रीय राजमार्ग–44 पर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए सीआरपीएफ के जवान लगातार रोड ओपनिंग पार्टी (आरओपी) अभियान चला रहे हैं। सुरक्षा जिम्मेदारियों के अलावा, सीआरपीएफ की 84वीं बटालियन ने रामबन जिले के चंदरकोट में एक मोबाइल स्वास्थ्य शिविर भी स्थापित किया है, जहां श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को चौबीसों घंटे चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। कमांडेंट एन. रणबीर सिंह के मार्गदर्शन में वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनंत कृष्णन के नेतृत्व वाली चिकित्सा टीम, उन्नत जीवन रक्षक एम्बुलेंस, आवश्यक दवाइयों और पैरामेडिकल स्टाफ के साथ त्वरित स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रही है।

देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले श्रद्धालुओं ने सुरक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए सीआरपीएफ के प्रयासों की सराहना की है।

राम मंदिर ट्रस्ट के वित्तीय मामलों की स्वतंत्र जांच की मांग वाली याचिकाओं पर 13 जुलाई को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

अयोध्याः अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में कथित वित्तीय अनियमितताओं की स्वतंत्र जांच की मांग करने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट 13 जुलाई को सुनवाई करेगा। यह मामला भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहन की पीठ के समक्ष सूचीबद्ध है। इस बीच, श्रीराम जन्मभूमि मंदिर ट्रस्ट के सदस्य महंत दिनेंद्र दास महाराज ने उन खबरों का खंडन किया है, जिनमें दावा किया गया था कि ट्रस्ट ने चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव के वीआईपी दर्शन पास आईडी को ब्लॉक कर दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि चंपत राय की आईडी के माध्यम से अब भी पास जारी किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा, ''फिलहाल कोई समस्या नहीं है। व्यवस्था पहले की तरह जारी है। मेरे पास इसके विपरीत कोई जानकारी नहीं है और मौजूदा प्रणाली सामान्य रूप से काम कर रही है।'' इससे पहले गुरुवार को महंत दिनेंद्र दास ने उत्तर प्रदेश पुलिस और प्रशासन पर पूरा भरोसा जताया था। उनका यह बयान उस समय आया जब अयोध्या पुलिस ने मामले के तीन प्रमुख आरोपियों में से एक अनुकल्प मिश्रा से हिरासत में पूछताछ शुरू की।

उन्होंने कहा, ''हमें रामलला पर विश्वास है। मुख्यमंत्री और प्रशासन पूरी तरह स्थिति से अवगत हैं और सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। हमें पुलिस पर पूरा भरोसा है। वे अपना कर्तव्य निभा रही है। चोरों को हर हाल में पकड़ा जाएगा और उन्हें सजा भी मिलेगी।'' कथित धन गबन मामले ने उत्तर प्रदेश में राजनीतिक विवाद को जन्म दे दिया है। मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में राम मंदिर के गिनती कक्ष (काउंटिंग रूम) में गंभीर सुरक्षा खामियों की ओर संकेत किया है। एसआईटी के अनुसार, कर्मचारियों द्वारा कथित रूप से नकदी की गड्डियां अपने कपड़ों, जेबों, जूतों और अन्य निजी सामान में छिपाई जाती थीं। जांच में यह भी संकेत मिला है कि कथित चोरी कोई एक–दो घटनाएं नहीं थीं, बल्कि व्यवस्थित और बार–बार होने वाली गतिविधियां थीं। रिपोर्ट के मुताबिक, 27 अप्रैल से 5 जून के बीच की सीसीटीवी फुटेज की समीक्षा में लगभग 70 संदिग्ध घटनाएं सामने आईं, जिनमें गिनती कक्ष के कर्मचारी नकदी छिपाते हुए दिखाई दिए। एसआईटी ने सुरक्षा व्यवस्था में कई खामियां भी उजागर की हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि गिनती कक्ष में प्रवेश और निकास के समय कर्मचारियों की तलाशी नहीं ली जाती थी तथा उनके निजी सामान की पर्याप्त निगरानी भी नहीं की जाती थी। विपक्षी नेताओं, विशेषकर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष Akhilesh Yadav ने मामले में जवाबदेही तय करने की मांग की है। वहीं मुख्यमंत्री Yogi Adityanath ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है और कहा है कि मंदिर के धन के दुरुपयोग में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

ट्रोल्स को अपना होमवर्क करना चाहिए'

: यूरेनियम समझौते पर बीजेपी के 'मोदी ब्रेकथ्रू' दावे को जयराम रमेश ने किया खारिज

नई दिल्लीः कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया द्वारा भारत को यूरेनियम आपूर्ति की अनुमति को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीतिक उपलब्धि बताने वाले बीजेपी के दावे को खारिज करते हुए कहा कि बीजेपी नेताओं और समर्थकों को ''अपना होमवर्क बेहतर तरीके से करना चाहिए''। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में रमेश ने 2011 की कई मीडिया रिपोर्टों का हवाला देते हुए कहा कि ऑस्ट्रेलिया का भारत को यूरेनियम बेचने का निर्णय मोदी सरकार के गठन से पहले ही लिया जा चुका था। उन्होंने लिखा, ''बीजेपी का पूरा इकोसिस्टम यह दिखाने में जुटा है कि ऑस्ट्रेलिया द्वारा भारत को यूरेनियम बिक्री मोदी सरकार की बड़ी उपलब्धि है। लेकिन 4 दिसंबर 2011 को तत्कालीन ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री जूलिया गिलार्ड ने अपनी पार्टी से भारत को यूरेनियम बेचने की मंजूरी हासिल कर ली थी। यह फैसला अक्टूबर 2008 के भारत–अमेरिका असैन्य परमाणु समझौते के बाद संभव हुआ था। बीजेपी के ट्रोल्स, जिनमें उसके कुछ सांसद भी शामिल हैं, को अपना होमवर्क बेहतर तरीके से करना चाहिए।''

रमेश ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया की नीति में बदलाव भारत–अमेरिका असैन्य परमाणु समझौते का परिणाम था, जिसे कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के दौरान अंतिम रूप दिया गया था।

इससे पहले गुरुवार को भी उन्होंने कहा था कि भारत–ऑस्ट्रेलिया यूरेनियम आपूर्ति व्यवस्था की नींव वर्ष 2008 में तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में हुए ऐतिहासिक भारत–अमेरिका असैन्य परमाणु समझौते में निहित है।

उन्होंने आरोप लगाया कि संसद में इस समझौते पर चर्चा के दौरान बीजेपी ने इसका विरोध किया था, जबकि कांग्रेस ने भारत को वैश्विक असैन्य परमाणु सहयोग तक पहुंच दिलाने की आधारशिला रखी थी। जयराम रमेश की यह प्रतिक्रिया उस घोषणा के बाद आई, जिसमें भारत और ऑस्ट्रेलिया ने 2014 में हस्ताक्षरित असैन्य परमाणु सहयोग समझौते के तहत प्रशासनिक व्यवस्था को अंतिम रूप दिया। इससे शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए ऑस्ट्रेलिया से भारत को दीर्घकालिक यूरेनियम निर्यात का रास्ता साफ हो गया है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बताया कि रिपोर्टिंग प्रक्रियाओं को लेकर मतभेदों के कारण यह प्रशासनिक व्यवस्था लंबित थी। पिछले दो वर्षों में हुई विस्तृत चर्चाओं के बाद दोनों देशों ने सभी लंबित मुद्दों का समाधान कर लिया, जिससे ऑस्ट्रेलियाई यूरेनियम आपूर्तिकर्ताओं और भारतीय आयातकों के बीच व्यावसायिक अनुबंधों का मार्ग प्रशस्त हुआ। ऑस्ट्रेलिया यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समझौते को भारत के स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

'पीआर का भी बड़ा रोल', जावेद जाफरी ने बताया क्यों नहीं चमका करियर

सलमान खान को लेकर कही ये बात

जावेद जाफरी ने अपने करियर की शुरुआत 1980 के दशक के आखिर में की थी और अपनी बेहतरीन एक्टिंग, शानदार कॉमिक टाइमिंग और जबरदस्त डांस स्किल्स से अलग पहचान बनाई। हालांकि, इन सभी खूबियों के बावजूद वह बॉलीवुड में 'ए-लिस्ट' स्टार का दर्जा हासिल नहीं कर पाए। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने इसके पीछे की वजह बताई।

जब उनसे पूछा गया कि वह 90 के दशक में ए-लिस्टर क्यों नहीं बन पाए, तो जावेद ने कहा, टयह काफी हद तक इस बात पर निर्भर करता है कि आपको कैसे पेश किया जाता है। इसमें पीआर का भी बड़ा रोल होता है, क्योंकि इंडस्ट्री का अपना एक नेटवर्क होता है। कई बार आपके बारे में नेगेटिव बातें बाहर आ जाती हैं, ऐसे में आपको अपनी इमेज सुधारने या पॉजिटिव चीजें दिखाने की जरूरत होती है।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं यह सब करने में पीछे रह गया। मैं किसी ग्रुप का भी हिस्सा नहीं था। और अगर आपके पास एक बड़ी हिट फिल्म हो, तो कोई आपसे सवाल नहीं करता। सफलता सबसे बड़ी चीज होती है। जैसे सलमान खान के साथ हुआ। उन्होंने 'बीवी हो तो ऐसी' (1988) से शुरुआत की थी और लोगों ने उन्हें नजरअंदाज कर दिया था।' जावेद ने आगे बताया, 'फिर 'मैंने प्यार किया' (1989) आई और उसके बाद हर कोई उनके पीछे भागने लगा। वही सलमान खान थे, उन्होंने कुछ अलग नहीं किया था, लेकिन फर्क सिर्फ सफलता का था। इसके बाद आप उसी के साथ आगे बढ़ते हैं। मेरे साथ ऐसी कोई बड़ी हिट फिल्म नहीं हुई।'

विलेन के रोल से की शुरुआत

जब उन्हें याद दिलाया गया कि उनकी पहली फिल्म 'मेरी जंग' (1985) हिट थी और उनका गाना 'बोल बेबी बोल' भी काफी पॉपुलर हुआ था, तो जावेद ने कहा, 'मुझे उस फिल्म में विलेन के रूप में लॉन्च किया गया था। उस समय सुभाष घई सबसे बड़े डायरेक्टर थे और एनएन सिप्पी टॉप प्रोड्यूसर्स में से एक थे।'

उन्होंने कहा, 'इस वजह से लोगों ने सोच लिया कि अगर मुझे विलेन के तौर पर लिया गया है, तो आगे भी मुझे उसी तरह के रोल मिलेंगे। यह छवि पहले ही बन गई थी। इसे बदलने के लिए किसी को मेरे साथ एक मस्तीभरी म्यूजिकल फिल्म बनानी चाहिए थी, जैसा साउथ में प्रभु देवा के साथ हुआ। लेकिन ऐसा नहीं हुआ और मैंने भी खुद को उस तरह से पेश नहीं किया। हालांकि, अब मैं इन बातों के बारे में ज्यादा नहीं सोचता।' जावेद जाफरी फिल्म 'धमाल 4' में मनव के किरदार में नजर नहीं आएंगे। इंद्र कुमार के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अजय देवगन, रितेश देशमुख और अरशद वारसी अहम भूमिकाओं में हैं। 'धमाल 4' 10 जुलाई 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है।

दुलकर सलमान नई फिल्म में पूजा हेगड़े के साथ रोमांटिक अंदाज में दिखे

साउथ के बेहतरीन अभिनेता दुलकर सलमान जल्द ही पूजा हेगड़े के साथ एक फिल्म में रोमांटिक रोल में नजर आने वाले हैं। मेकर्स ने हाल ही में एक ऑफिशियल पोस्टर के साथ फिल्म के टाइटल का भी एलान किया है।

क्या है फिल्म का टाइटल?

दुलकर सलमान ने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी अपकमिंग फिल्म DQ41 का नाम 'श्री श्री' बताया है। अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्टर शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, "श्री श्री' के साथ प्यार कुछ ज्यादा ही खास लगेगा। DQ41 अब श्रीश्री। प्यार दोबार चमकेगा।'

सलमान ने जारी किया पोस्टर

दुलकर सलमान ने पोस्टर का पहला लुक जारी किया है। इसमें देखा जा सकता है कि दुलकर सलमान और पूजा हेगड़े कॉलेज यूनिफॉर्म में एक दीवार पर बैठे हैं। दुलकर का शर्मीलापन और पूजा की खुशी इस फर्स्ट लुक में दिलचस्पी पैदा कर रही है।

पोस्टर में मुख्य जोड़ी की केमिस्ट्री बहुत नैचुरल तरीके से दिखाई गई है।

कौन है निर्देशक?

इस फिल्म को रवि नेलाकुदिटी लिख और डायरेक्ट कर रहे हैं। इस फिल्म को सुधाकर चेरुकुरी प्रोड्यूस कर रहे हैं। इस पैन-इंडिया फिल्म की शूटिंग अभी विदेशों में चल रही है। जीवी प्रकाश कुमार इसका म्यूजिक बना रहे हैं।यह दुलकर की 41वीं फिल्म है। इसे तेलुगु, तमिल, मलयालम और हिंदी में रिलीज किया जाएगा।

दुलकर सलमान का वर्कफ्रंट

इस बीच दुलकर 'आई एम गेम' की तैयारी भी कर रहे हैं। इस बहुप्रतीक्षित मलयालम एक्शन थ्रिलर फिल्म को RDX फेम नहास हिदायत डायरेक्ट करेंगे और यह ओणम 2026 में रिलीज होगी।

आदित्य रॉय कपूर पहली बार मिलाप मिलन जावेरी संग करेंगे नई फिल्म

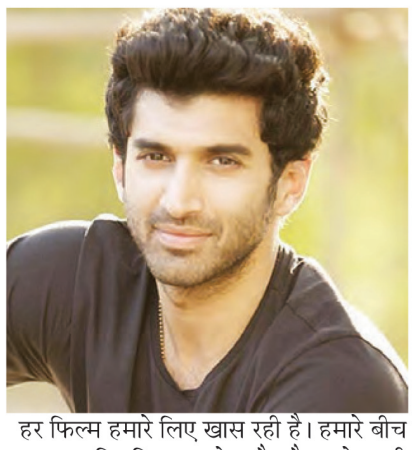

'आशिकी 2', 'मलंग' और 'मेट्रो... इन दिनों' जैसी फिल्मों से अपनी रोमांटिक छवि बनाने वाले अभिनेता आदित्य रॉय कपूर अब एक बार फिर बड़े पर्दे पर खास लव स्टोरी लेकर आने वाले हैं। इस बार वह पहली बार निर्देशक मिलाप मिलन जावेरी के साथ हाथ मिला रहे हैं। दोनों की यह फिल्म रोमांस, एक्शन और संगीत का दमदार मेल होगी, जिसे निर्माता भूषण कुमार बड़े स्तर पर बना रहे हैं।' निर्देशक मिलाप मिलन जावेरी ने आदित्य रॉय कपूर के साथ अपनी पहली फिल्म को लेकर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा, आदित्य प्यार को बेहद गहराई के साथ पर्दे पर उतारते हैं। 'आशिकी 2' के बाद से दर्शकों ने उन्हें जुनून और टूटे दिल की कहानियों में खूब पसंद किया है। इस नई फिल्म का किरदार कई परतों वाला होगा। मुझे नहीं लगता कि इस सफर को उनसे बेहतर कोई और निभा सकता था। वहीं, निर्माता भूषण कुमार ने आदित्य के साथ अपनी पुरानी साझेदारी को याद करते हुए कहा, "आदित्य के साथ हमारा रिश्ता कई सालों पुराना है और हमने साथ मिलकर ऐसी फिल्में दी हैं जिन्हें दर्शक आज भी पसंद करते हैं। 'आशिकी 2' से लेकर 'मेट्रो... इन दिनों' तक हर फिल्म हमारे लिए खास रही है। हमारे बीच शानदार क्रिएटिव तालमेल है और मुझे खुशी है कि हम एक बार फिर एक ऐसी कहानी के लिए साथ आ रहे हैं, जो भावनात्मक और बड़े पैमाने पर बनाई जाएगी।"

फिल्म की शूटिंग इसी साल के आखिर में शुरू होने की तैयारी है। इसके बाद पोस्ट-प्रोडक्शन का काम पूरा कर इसे साल 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। फिलहाल फिल्म की बाकी स्टारकास्ट और टाइटल का खुलासा नहीं किया गया है लेकिन मेकर्स का कहना है कि आने वाले समय में इससे जुड़ी और जानकारियां साझा की जाएंगी।

फिल्म की घोषणा करते हुए मिलाप मिलन जावेरी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर भी एक खास पोस्ट साझा किया था। उन्होंने लिखा, इस बार आशिकी पूरी दीवानियत से होगी। मुझे बेहद खुशी है कि मैं अपनी अगली फिल्म की घोषणा कर रहा हूं। यह एक इंटेंस, हिंसक और म्यूजिकल लव स्टोरी है, जिसमें मेरे प्रिय मित्र और शानदार अभिनेता आदित्य रॉय कपूर मुख्य भूमिका निभा रहे हैं।

उन्होंने आगे लिखा, आदित्य को उनके करियर के सबसे दमदार, रोमांटिक और हीरोइक किरदारों में से एक में देखने के लिए तैयार हो जाइए। मुझे खुशी है कि यह फिल्म भूषण कुमार सर के बैनर तले बन रही है, जिनके साथ मैंने 'सत्यमेव जयते' और 'मरजावां' जैसी सफल फिल्मों में काम किया है।

उन्होंने पोस्ट के आखिर में लिखा, 2027 में सिनेमाघरों में मिलते हैं, जहां एक्शन, संगीत, दमदार डायलॉग, रोमांस, जुनून और दिल टूटने का दर्द- सब कुछ बड़े पर्दे पर देखने को मिलेगा।

बॉलीवुड के संस्कारी 'बाबूजी' ने भी पर्दे पर कभी दिए थे बोल्ड सीन

जब भी बॉलीवुड में संस्कारी पिता, प्यार करने वाले परिवार के मुखिया और आदर्शवादी 'बाबूजी' की बात होती है, तो सबसे पहले अभिनेता आलोक नाथ का नाम याद आता है। बड़े पर्दे से लेकर छोटे पर्दे तक आलोक नाथ ने अपनी एक ऐसी छवि बनाई, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। 'मैंने प्यार किया', 'हम आपके हैं कौन' और 'विवाह' जैसी फिल्मों में उनके पिता के किरदार ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। आज जिन आलोक नाथ को दर्शक एक आदर्श पिता के रूप में देखते हैं, उन्होंने अपने शुरुआती दौर में रोमांटिक हीरो की भूमिका भी निभाई थी। अपनी शांत, सादगी भरी और संस्कारी छवि के लिए मशहूर आलोक नाथ ने साल 1987 में आई फिल्म 'कामाग्नि' में एक अलग अंदाज दिखाया था। इस फिल्म में उन्होंने रोमांटिक किरदार निभाया था और अभिनेत्री टीना मुनीम (टीना अंबानी) के साथ नजर आए थे। फिल्म में उनके कुछ बोल्ड और रोमांटिक सीन की उस समय काफी चर्चा हुई थी। आलोक नाथ का जन्म 10 जुलाई 1956 को देश की राजधानी दिल्ली में हुआ था। उनके पिता डॉक्टर थे और मां गृहिणी थीं। उनके पिता चाहते थे कि आलोक भी उनकी तरह डॉक्टर बनें, लेकिन किस्मत ने उन्हें अभिनय की दुनिया में पहुंचा दिया। उन्होंने दिल्ली से अपनी पढ़ाई पूरी की। कॉलेज के दिनों में उनका झुकाव थिएटर की तरफ बढ़ा और वह रुचिका थिएटर ग्रुप से जुड़ गए। इसके बाद उन्होंने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा से तीन साल तक अभिनय की बारीकियां सीखीं। कहा जाता है कि साल 1980 में फिल्म 'गांधी' के लिए कास्टिंग डायरेक्टर डॉली ठाकुर नए कलाकारों की तलाश में नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा पहुंची थीं। कई कलाकारों के ऑडिशन के बाद उन्होंने आलोक नाथ को चुना। इस फिल्म के लिए उन्हें करीब 20 हजार रुपये मिले थे और यहीं से उनके फिल्मी सफर की शुरुआत हुई।

'गांधी' के बाद आलोक नाथ मुंबई पहुंचे, लेकिन यहां से आगे का रास्ता इतना आसान नहीं था। उन्हें अपनी दूसरी फिल्म के लिए करीब पांच साल तक इंतजार और संघर्ष करना पड़ा। इस दौरान उन्होंने थिएटर में भी काम किया। संघर्ष के इसी दौर में उन्हें फिल्म 'मशाल' में छोटा सा किरदार मिला। इसके बाद धीरे-धीरे उन्हें फिल्मों में काम मिलने लगा।

साल 1988 में आई फिल्म 'कयामत से कयामत तक' के बाद आलोक नाथ की पहचान बढ़ने लगी। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में पिता और परिवार के बड़े सदस्य की भूमिकाएं निभाईं। आलोक नाथ ने अपने करियर में करीब 140 फिल्मों और 15 से ज्यादा टीवी सीरियल्स में काम किया है। उनकी ज्यादातर भूमिकाएं 'बाबूजी' के किरदार की रहीं। हालांकि, आलोक नाथ को एक समय जितेंद्र के पिता का किरदार निभाने का ऑफर मिला था, जिसे उन्होंने मना कर दिया था।

'उन्होंने कभी टूटने नहीं दिया हौसला

हमेशा कहा- रुकना मत', हेमा मालिनी ने धर्मेंद्र को किया याद

हिंदी सिनेमा की 'ड्रीम गर्ल' हेमा मालिनी और 'ही-मैन' धर्मेंद्र की जोड़ी सिर्फ बड़े पर्दे पर ही नहीं, बल्कि असल जिंदगी में भी सबसे चर्चित और पसंदीदा जोड़ियों में रही है। दोनों ने साथ मिलकर कई सुपरहिट फिल्में दीं और दशकों तक दर्शकों के दिलों पर राज किया। धर्मेंद्र के निधन के बाद भी हेमा मालिनी अक्सर उनसे जुड़ी यादों को साझा करती रहती हैं। अब अपने फिल्मी करियर के 60 साल पूरे होने के मौके पर उन्होंने एक बार फिर अपने जीवनसाथी को याद करते हुए बताया कि धर्मेंद्र ने हर मुश्किल दौर में उनका मनोबल बढ़ाया और कभी भी उन्हें अपनी क्षमताओं पर शक नहीं करने दिया। आईएएनएस को दिए खास इंटरव्यू में हेमा मालिनी ने अपने छह दशक लंबे फिल्मी सफर, बदलती जिंदगी और धर्मेंद्र के साथ मिले अटूट सहयोग पर खुलकर बात की। यह बातचीत उनके खास कार्यक्रम 'हेमा मालिनीः लाइव इन कॉन्सर्ट' से पहले हुई, जो उनके 60 साल के शानदार सिनेमाई सफर का जश्न मनाने के लिए आयोजित किया जा रहा है।

अपने करियर को याद करते हुए हेमा मालिनी ने कहा, "मेरे जीवन में हमेशा वही हुआ, जो समय के अनुसार होना था। 70 और 80 का दशक मेरे लिए काफी व्यस्त दौर था। मैंने लगातार कई फिल्मों में काम किया। इसके बाद कुछ समय का ब्रेक आया, फिर मैंने 'बागबान' और कुछ अन्य फिल्मों में काम किया। हालांकि, मैं कभी खाली नहीं रही। डांस शो, बैले और कई दूसरी चीजों में लगातार व्यस्त रही। बाद में जब मैं सांसद बनी, तो मेरी जिंदगी में एक नया मोड़ आया। आज भी मैं लोगों के बीच रहती हूं और खुद को सौभाग्यशाली मानती हूं कि मुझे जनता की सेवा करने का मौका मिला। पहले मैं फिल्मों, डांस और मंचीय प्रस्तुतियों के जरिए लोगों का मनोरंजन करती थी, अब मथुरा की जनता की सेवा करना मेरे जीवन का अहम हिस्सा है।"

उन्होंने आगे कहा, "आज भी जब लोग मुझे देखते हैं तो उन्हें सबसे पहले मेरा लोकप्रिय किरदार 'बसंती' याद आता है। मथुरा में मेरे क्षेत्र के लोग अक्सर मुझसे कहते हैं कि बसंती का कोई डायलॉग बोलिए। इतने साल बीत जाने के बाद भी लोगों के दिलों में वह किरदार आज भी जिंदा है। यह मेरे लिए सबसे बड़ी खुशी की बात है।"

इंटरव्यू के दौरान हेमा मालिनी ने धर्मेंद्र के उस साथ का भी जिक्र किया, जिसने उन्हें हमेशा आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा, "धर्म जी हमेशा मुझसे कहते थे कि कभी यह मत सोचना कि फिल्में कम कर रही हो, इसलिए सब खत्म हो गया है। तुम अपने डांस शो कर रही हो, दूसरी कई चीजों में हिस्सा ले रही हो। रुकना मत, बस इसी तरह आगे बढ़ती रहो। उन्हें हमेशा यह देखकर खुशी होती थी कि मैं किसी न किसी काम में व्यस्त रहती हूं। वह मेरी हर कोशिश की सराहना करते थे और हमेशा कहते थे कि जो कर रही हो, उसे कभी मत छोड़ना।"

उन्होंने बताया कि धर्मेंद्र का यह भरोसा और प्रोत्साहन ही था, जिसने उन्हें हर दौर में सक्रिय बनाए रखा।

'एक्टिंग तो खत्म हो गई', सनी देओल ने फैंस की अटकलों को किया खारिज, क्लीन शेव लुक पर दिया रिएक्शन

सनी देओल इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'इक्का' की रिलीज के लिए तैयार हैं। सिद्धार्थ मल्होत्रा के निर्देशन में बनी यह फिल्म एक्टर का ओटीटी डेब्यू है। इसमें अक्षय खन्ना, तिलोत्तमा शोम और दीया मिर्जा भी अहम रोल में हैं। यह फिल्म इसलिए भी खास है क्योंकि इसमें बॉर्डर के लगभग तीन दशक बाद सनी और अक्षय एक साथ स्क्रीन पर दिख रहे हैं। रिलीज से पहले, सनी 9 जुलाई को मुंबई में अपने बेटों के साथ इक्का की स्पेशल स्क्रीनिंग में शामिल हुए। इवेंट के दौरान, एक्टर ने अपने चर्चित क्लीन-शेव वाले लुक पर रिएक्शन दिया।

क्लीन शेव लुक पर सनी का रिएक्शन

'इक्का' की स्पेशल स्क्रीनिंग में सनी देओल की मौजूदगी ने फिल्म से कहीं ज्यादा लोगों का ध्यान खींचा। चेक्ड शर्ट, जींस और कैप वाले कैजुअल आउटफिट में एक्टर ने अपने क्लीन-शेव मेकओवर से सभी को हैरान कर दिया। नए लुक को देखकर फैंस ने अंदाजा लगाया कि यह नितेश तिवारी की 'रामायण' के लिए हो सकता है।

हंसते हुए अफवाहों का जवाब देते हुए, सनी ने इन थ्योरीज को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा 'आजकल लोग लुक्स के पीछे ज्यादा रहते हैं। सब लुक्स के बारे में है और एक्टिंग तो पूरी तरह खत्म हो गई है।'

धर्मेंद्र का बेटा कहने पर दी प्रतिक्रिया

दिलचस्प बात यह है कि जब 'इक्का' का ट्रेलर रिलीज हुआ, तो एक बात जिसने सबका ध्यान खींचा, वह थी सनी देओल को इंट्रोड्यूस करने का तरीका। सिर्फ उनका नाम दिखाने के बजाय, मेकर्स ने उन्हें 'धर्मेंद्र का बेटा सनी देओल' के तौर पर दिखाया। इस फैसले के बारे में पूछे जाने पर, सनी ने जवाब दिया 'पापा के बेटे हैं और क्या है? अच्छा काम करते हैं तो अच्छा लगता है कि पापा खुश होंगे कि उनके बेटे अच्छा काम कर रहे हैं।'

कब रिलीज होगी 'रामायण'?

सनी देओल के पास नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' भी है, जिसमें वह हनुमान का रोल निभाते दिखेंगे। इसमें रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी सीता और यश रावण के रोल में दिखेंगे। पहला पार्ट दिवाली 2026 को रिलीज होगा, उसके बाद दूसरा पार्ट दिवाली 2027 को। इस साल, सनी के पास बटवारा 1947 भी है। वह प्रीति जिंटा के साथ नजर आएंगे।

शाहरुख खान ने खरीदा दिल्ली वाला वो घर जहां एक्टर बनने से पहले गौरी के साथ रहते थे

बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान के पास अरबों की प्रॉपर्टी है. दुनिया के सबसे रईस एक्टर में टॉप पर शुमार शाहरुख के पास देश-दुनिया में कई प्रॉपर्टीज हैं. शाहरुख ने अब एक और प्रॉपर्टी खरीदी है, वो भी उस शहर में जहां उनका जन्म हुआ, जहां उनका बचपन बीता, जहां वो पले-बढ़े और शादी भी की. दिल्ली के रहने वाले शाहरुख ने दिल्ली में अब करोड़ों में एक प्रॉपर्टी को लेकर डील की है.

दो मंजिल के लिए चुकाए 37 करोड़ रुपये

बता दें कि शाहरुख खान ने वो प्रॉपर्टी खरीदी है जहां वो एक्टर बनने से पहले अपनी पत्नी गौरी खान के साथ रहते थे. यहां दोनों ने संघर्ष के दिनों को एक साथ देखा था. गौरतलब है कि शाहरुख खान ने दिल्ली के पंचशील पार्क नाम के घर की दूसरी और तीसरी मंजिल खरीदी है, जबकि बेसमेंट और ग्राउंड फ्लोर पर पहले से ही उनका हक है. इस हिसाब से अब पूरे घर पर उनका मालिकाना हक हो चुका है. दोनों मंजिल के लिए एक्टर ने 37 करोड़ रुपये की तगड़ी रकम चुकाई है.

पॉश एरिया में है शाहरुख का घर

शाहरुख खान का ये घर दिल्ली के पॉश एरिया में बना हुआ है. बॉक्स ऑफिस की रिपोर्ट के मुताबिक ये घर साउथ दिल्ली में स्थित है और ये 1,200 स्क्वायर यार्ड यानी 10,800 स्क्वायर फीट के प्लाट पर बना हुआ है. यहां जमीन की कीमत करीब 34,260 रुपये प्रति स्क्वायर फीट है. इस डील के जरिए शाहरुख ने अपने रियल एस्टेट पोर्टफोलियो में और मजबूरी दर्ज कर ली है.

शाहरुख-गौरी के दिल के करीब है ये घर

ये घर शाहरुख खान के साथ-साथ उनकी पत्नी गौरी खान के दिल के भी बेहद करीब है. ये उनकी जवानी के शुरुआती दिनों में उनके संघर्ष का गवाह बना था. अब साढ़े तीन दशक के बाद शाहरुख ने घर के बाकी के दो फ्लोर को भी अपना बनाकर बनाकर अपनी पुरानी यादों को ताजा किया है.

अब मुंबई में हैं 250 करोड़ का बंगला 'मन्नत'

शाहरुख खान के पास अब मुंबई में 'मन्नत' नाम का घर है, जहां वो अपनी पत्नी और तीनों बच्चों के साथ रहते हैं. इसकी कीमत 250 करोड़ रुपये तक आंकी जाती है. लेकिन, यादों और अपनेपन के मामले में दिल्ली वाले घर के आगे मन्नत भी फीका पड़ता है.

'धमाल 4' के लिए अजय देवगन ने वसूली सबसे ज्यादा फीस, रितेश देशमुख के हाथ लगे 10 करोड़

कॉमेडी फ्रैंचाइजी 'धमाल' का चौथा पार्ट यानी 'धमाल 4' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है. फिल्म के रिलीज होते ही थिएटर्स में दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है. अजय देवगन, रितेश देशमुख और अरशद वारसी की तिकड़ी को दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है. ऐसे में आइए जानते हैं कि फिल्म के कलाकारों ने इसके लिए कितनी फीस ली है.

200 करोड़ रुपये है फिल्म का बजट

'धमाल 4' का बजट करीब 200 करोड रुपये बताया जा रहा है. इसे 'धमाल' फ्रेंचाइजी की अब तक की सबसे महंगी फिल्म माना जा रहा है. मेकर्स ने फिल्म के विजुअल्स, प्रोडक्शन वैल्यू और इसकी भारी-भरकम स्टारकास्ट पर पानी की तरह पैसा बहाया है. ये एक हाई-बजट मल्टी-स्टारर फिल्म है, जिसमें अजय देवगन, अरशद वारसी, रितेश देशमुख, जावेद जाफ़री, रवि किशन, संजय मिश्रा, उपेन्द्र लिमये, अंजलि आनंद, संजीदा शेख और ईशा गुप्ता जैसे एक्टर्स नजर आ रहे हैं.

अजय देवगन को मिले 40 करोड़ रुपये

फिल्म 'धमाल 4' में लीड रोल प्ले कर रहे सुपरस्टार अजय देवगन इस फिल्म के सबसे महंगे एक्टर हैं. उन्होंने इस फिल्म के लिए 40 करोड़ रुपये की फीस ली है. हाल ही में प्रोड्यूसर भूषण कुमार ने अजय की तारीफ करते हुए बताया था कि फिल्म का बजट बढ़ने के कारण उन्होंने मेकर्स का पूरा साथ दिया. अजय ने प्रोजेक्ट को ध्यान में रखते हुए अपनी फीस में भी कटौती की है.

रितेश देशमुख, अरशद वारसी और रवि किशन को मिली इतनी फीस

रितेश देशमुख, अरशद वारसी और रवि किशन को फिल्म 'धमाल 4' के लिए 10-10 करोड़ रुपये मिल हैं. तीनों कलाकार फिल्म की कहानी में अहम भूमिका निभा रहे हैं. खासकर अरशद वारसी और रितेश देशमुख लंबे समय से इस फ्रेंचाइजी का अहम हिस्सा रहे हैं. वहीं, रवि किशन इस फिल्म के साथ पहली बार इस फ्रेंचाइजी में शामिल हुए हैं.

जावेद जाफरी ने चार्ज किए इतने करोड़

जावेद जाफरी, संजय मिश्रा, ईशा गुप्ता, अंजलि आनंद और उपेंद्र लिमये ने 'धमाल 4' के लिए 2-2 करोड़ रुपये फीस चार्ज की है. वहीं, संजीदा शेख को 1.5 करोड़ रुपये मिले हैं. बता दें कि 'धमाल 4' के डायरेक्टर इंद्र कुमार हैं. अजय देवगन और भूषण कुमार फिल्म के प्रोड्यूसर हैं. अब देखना होगा कि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कैसा परफॉर्म करती है.

Printed and Published by **GANTYADA APPARAO** on behalf of **GANTYADA APPARAO**, Printed at Sri Sai Ganga Printers and Publishers Flat No: 504, Bharat Towers, 5th Lane, Dwaraka Nagar, Visakhaptanam, Andhra Pradesh-530016, and Published at H.NO: 38-4-216, MAHARANI STREET, MARRIPALEM, Visakhapatnam, Andhra Pradesh-530018, **Editor: GANTYADA APPARAO.** Mobile : 9059465965, **RNI : APHIN/26/A3657**, editorpenpower@gmail.com